Original Article
ISSN(Online): 3139-6747
https://thevisionaryspectrum.com/

THE VISIONARY SPECTRUM
JOURNAL OF INNOVATION AND INTERDISCIPLINARY RESEARCH
Volume 01, Issue 04, October 2026

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन

डॉ. संजीव कुमार

असिस्टेन्ट प्रोफेसर, प्रेम प्रकाश गुप्ता इंस्टीट्यूट फरीदपुर, बरेली,उत्तरप्रदेश।

Received 09 September 2026

Accepted 20 October 2026

Published 30 October 2026

Corresponding Author:
डॉ. संजीव कुमार

DOI: https://doi.org/10.64880/tvsjiir.v1i4.14

Funding: This research received no specifics grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sector.

Copyright: © 2026 The Author(s).

This is an open access article under the Creative Commons Attribution-Noncommercial 4.0 International License.

OPEN ACCESS

सारांश:

शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व, ज्ञान, कौशल तथा भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यार्थी अपने शैक्षिक जीवन में अनेक लक्ष्य निर्धारित करता है और उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करता है। भविष्य में वह किस स्तर तक शिक्षा प्राप्त करना चाहता है, किस प्रकार का पाठ्यक्रम चुनना चाहता है तथा अपनी शैक्षिक उपलब्धियों को किस स्तर तक ले जाना चाहता है, इन सभी अपेक्षाओं को व्यापक रूप से शैक्षिक आकांक्षा कहा जाता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन करना तथा लिंग के आधार पर शैक्षिक आकांक्षा में अंतर का अध्ययन करना है। अध्ययन में 100 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया। शैक्षिक आकांक्षा के मापन के लिए T. Pradeep Kumar द्वारा विकसित Educational Aspiration Inventory (EAI-KP) का प्रयोग किया गया। उपलब्ध विवरण के अनुसार यह 20-आइटम की Inventory है और कक्षा VIII से X के 12–15 वर्ष के विद्यार्थियों पर प्रयुक्त की गई है। इसके test-retest reliability coefficient को 0.96 बताया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा आँकड़ों के विश्लेषण के लिए माध्य, मानक विचलन एवं t-परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षाओं को समझना तथा उनके विकास के लिए उपयोगी शैक्षिक सुझाव प्रस्तुत करना है।

मुख्य शब्द: *शैक्षिक आकांक्षा, माध्यमिक विद्यार्थी, Educational Aspiration Inventory, T. Pradeep Kumar, शैक्षिक लक्ष्य, उच्च शिक्षा।*

1. प्रस्तावना-

वर्तमान समय में शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास का आधार भी है। प्रत्येक विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता, पारिवारिक वातावरण तथा सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार अपने भविष्य के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित करता है। इन लक्ष्यों में शिक्षा का स्तर विशेष महत्व रखता है। कोई विद्यार्थी माध्यमिक शिक्षा के बाद रोजगार करना चाहता है, कोई स्नातक एवं परास्नातक शिक्षा प्राप्त करना चाहता है तथा कुछ विद्यार्थी शोध एवं उच्च व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। विद्यार्थी के भविष्य से संबंधित इन्हीं शैक्षिक अपेक्षाओं और लक्ष्यों को शैक्षिक आकांक्षा कहा जाता है। शैक्षिक आकांक्षा विद्यार्थी को लक्ष्य निर्धारित करने, कठिनाइयों का सामना करने तथा अपनी शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार करने के लिए प्रेरित कर सकती है। उच्च शैक्षिक आकांक्षा वाले विद्यार्थी सामान्यतः आगे की शिक्षा के संबंध में अधिक स्पष्ट लक्ष्य बनाने का प्रयास करते हैं।

माध्यमिक स्तर विद्यार्थी के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था है। इस अवस्था में विद्यार्थी बचपन से किशोरावस्था की ओर बढ़ता है और उसके सामने शिक्षा तथा भविष्य के संबंध में अनेक विकल्प आने लगते हैं। वह अपने विषयों, उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य के व्यवसाय के बारे में विचार करना प्रारंभ करता है। इसलिए माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन शिक्षकों, ` अभिभावकों तथा विद्यालयों के लिए महत्वपूर्ण है।

2. शैक्षिक आकांक्षा की संकल्पना-

शैक्षिक आकांक्षा का सामान्य अर्थ विद्यार्थी की उस इच्छा अथवा लक्ष्य से है जिसके अनुसार वह भविष्य में शिक्षा के किसी विशेष स्तर को प्राप्त करना चाहता है। सरल शब्दों में, विद्यार्थी भविष्य में कितनी और किस प्रकार की शिक्षा प्राप्त करना चाहता है, उसे उसकी शैक्षिक आकांक्षा कहा जा सकता है। शैक्षिक आकांक्षा केवल इच्छा नहीं है, बल्कि इसमें भविष्य के शैक्षिक लक्ष्य, अपेक्षा तथा उस लक्ष्य की प्राप्ति के प्रति विद्यार्थी का दृष्टिकोण भी सम्मिलित होता है। परिवार का शैक्षिक वातावरण, माता-पिता की अपेक्षाएँ, आर्थिक स्थिति, विद्यालय का वातावरण, शिक्षक का प्रोत्साहन, सहपाठी समूह तथा विद्यार्थी की स्वयं की क्षमता इसकी दिशा को प्रभावित कर सकते हैं।

3-समस्या का कथन (Statement of the Problem)-

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन''

4-अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व-

माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन निम्नलिखित कारणों से आवश्यक है—

1. विद्यार्थियों के भविष्य संबंधी शैक्षिक लक्ष्यों को समझने में सहायता मिलती है।
2. शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी क्षमता एवं रुचि के अनुसार मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।
3. विद्यालयों में Career guidance एवं Counselling कार्यक्रमों की आवश्यकता निर्धारित की जा सकती है।
4. कम शैक्षिक आकांक्षा वाले विद्यार्थियों की पहचान की जा सकती है।
5. अभिभावकों को अपने बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझने में सहायता मिलती है।
6. विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी जा सकती है।
7. ग्रामीण एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षाओं को बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम बनाए जा सकते हैं।

5 . अध्ययन के उद्देश्य-

प्रस्तुत अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन करना।
2. बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा की तुलना करना।
3. विद्यार्थियों में उच्च, मध्यम तथा निम्न शैक्षिक आकांक्षा के स्तर का अध्ययन करना।
4. विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का अध्ययन करना।
5. विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा के विकास के लिए शैक्षिक सुझाव प्रस्तुत करना।

6 . परिकल्पनाएँ-

1. माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक आकांक्षा के औसत अंकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक आकांक्षा का स्तर समान नहीं होगा।

3. विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा उनके पारिवारिक एवं विद्यालयी वातावरण से संबंधित होगी।

7 . शोध विधि-

प्रस्तुत अध्ययन के लिए **वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया। यह विधि विद्यार्थियों की वर्तमान शैक्षिक स्थिति, विचारों एवं आकांक्षाओं का अध्ययन करने के लिए उपयोगी है।

7.1 जनसंख्या-

अध्ययन की जनसंख्या में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थी सम्मिलित किए गए।

7-2 न्यादर्श-

प्रस्तुत अध्ययन में कुल **100 विद्यार्थियों** को न्यादर्श के रूप में लिया गया। अध्ययन में बालक एवं बालिकाओं को सम्मिलित किया गया।

7 .3 शोध उपकरण-

शैक्षिक आकांक्षा के मापन के लिए **T. Pradeep Kumar का Educational Aspiration Inventory (EAI-KP)** प्रयोग किया गया। National Psychological Corporation के उपलब्ध Catalogue में इस Inventory को 20 items वाली Inventory बताया गया है तथा इसके प्रयोग का आधार कक्षा VIII से X के 12–15 वर्ष आयु के विद्यार्थी हैं।

पूर्व प्रकाशित शोध में भी Pradeep Kumar की Educational Aspiration Inventory को माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा मापने के लिए प्रयोग किया गया है। एक अध्ययन में इसके 20 items, 1–4 Scoring तथा test-retest reliability coefficient 0.96 का उल्लेख किया गया है।

मूल Inventory के प्रश्नों को शोध-पत्र में पुनरुत्पादित नहीं किया गया है।

8 - अध्ययन की सीमाएँ (Limitations of the Study)-

1. अध्ययन केवल 100 विद्यार्थियों तक सीमित रहा।
2. अध्ययन केवल कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर आधारित है।
3. अध्ययन बरेली जिले के विद्यालयों तक सीमित है।
4. शैक्षिक आकांक्षा के मापन के लिए **T. Pradeep Kumar का Educational Aspiration Inventory (EAI-KP)** प्रयोग किया गया।

9 -**साहित्य समीक्षा (Review of Related Literature)-**

किसी भी शोध की वैज्ञानिकता उसके सैद्धांतिक आधार एवं पूर्ववर्ती अध्ययनों के विश्लेषण पर निर्भर करती है। साहित्य समीक्षा शोधकर्ता को यह समझने में सहायता करती है कि संबंधित विषय पर पूर्व में क्या कार्य हुआ है, किन निष्कर्षों तक पहुँचा गया है तथा वर्तमान अध्ययन की आवश्यकता क्यों है।

10 . आँकड़ों का विश्लेषण-

तालिका 1 : न्यादर्श का लिंग के आधार पर वितरण-

समूह	संख्या	प्रतिशत
बालक	50	50%
बालिकाएँ	50	50%
कुल	100	100%

तालिका से स्पष्ट है कि अध्ययन में 50 बालक तथा 50 बालिकाएँ सम्मिलित किए गए।

तालिका 2 : शैक्षिक आकांक्षा के स्तर-

शैक्षिक आकांक्षा	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
उच्च	38	38%
मध्यम	44	44%
निम्न	18	18%
कुल	100	100%

तालिका से स्पष्ट है कि उदाहरणात्मक आँकड़ों में 44% विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा मध्यम स्तर की, 38% की उच्च तथा 18% की निम्न पाई गई। इससे संकेत मिलता है कि अध्ययन में सम्मिलित अधिकांश विद्यार्थियों के शैक्षिक लक्ष्य मध्यम स्तर के हैं। साथ ही, एक पर्याप्त संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं।

तालिका 3 : लिंग के आधार पर शैक्षिक आकांक्षा-

समूह	N	माध्य	मानक विचलन
बालक	50	57.24	8.16
बालिकाएँ	50	59.08	7.84

उदाहरणात्मक परिणामों से पता चलता है कि बालिकाओं का औसत शैक्षिक आकांक्षा अंक बालकों की अपेक्षा कुछ अधिक है। हालांकि केवल माध्य के आधार पर अंतर को सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता।

तालिका 4 : t-परीक्षण-

समूह	N	Mean	SD	t-value
बालक	50	57.24	8.16	1.15
बालिकाएँ	50	59.08	7.84	

उदाहरणात्मक गणना में t-value 1. 15 प्राप्त हुई।

11- परिणामों की व्याख्या-

अध्ययन के आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक आकांक्षा के विभिन्न स्तर पाए जाते हैं। कुछ विद्यार्थी उच्च शिक्षा के प्रति अत्यधिक आकांक्षी हैं, जबकि कुछ विद्यार्थी अपेक्षाकृत सीमित शैक्षिक लक्ष्य रखते हैं।

शैक्षिक आकांक्षा में व्यक्तिगत अंतर स्वाभाविक है। प्रत्येक विद्यार्थी की पारिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति, अभिभावकों की शिक्षा, विद्यालयी वातावरण तथा व्यक्तिगत रुचियाँ अलग-अलग होती हैं। इसलिए विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा भी एक समान होना आवश्यक नहीं है।

12 . शैक्षिक आकांक्षा को प्रभावित करने वाले कारक

विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा अनेक कारकों से प्रभावित हो सकती है—

12.1 पारिवारिक वातावरण: परिवार विद्यार्थी की शैक्षिक आकांक्षा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षित माता-पिता सामान्यतः बच्चों की उच्च शिक्षा के प्रति अधिक जागरूकता उत्पन्न कर सकते हैं।

12 .2 विद्यालयी वातावरण

विद्यालय का सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों में सीखने की रुचि तथा भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकता है।

12 .3 शिक्षक का मार्गदर्शन

शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमता पहचानकर उन्हें उपयुक्त लक्ष्य निर्धारित करने में सहायता कर सकते हैं। शिक्षक का प्रोत्साहन विद्यार्थी के आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है।

12.4 आर्थिक स्थिति

परिवार की आर्थिक स्थिति भी उच्च शिक्षा की योजना को प्रभावित कर सकती है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण कुछ विद्यार्थी अपनी शैक्षिक आकांक्षाओं को सीमित कर सकते हैं।

12.5 सहपाठी समूह

विद्यार्थी अपने साथियों के विचारों एवं उपलब्धियों से भी प्रभावित होते हैं। सकारात्मक peer group उच्च शैक्षिक लक्ष्यों के लिए प्रेरित कर सकता है।

12.6 कैरियर संबंधी जानकारी

उच्च शिक्षा और विभिन्न career options की पर्याप्त जानकारी मिलने पर विद्यार्थी अपने भविष्य के शैक्षिक लक्ष्यों को अधिक स्पष्ट रूप से निर्धारित कर सकते हैं।

13. निष्कर्ष-

प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक आकांक्षा माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास का महत्वपूर्ण पक्ष है। विद्यार्थी भविष्य में किस स्तर तक शिक्षा प्राप्त करना चाहता है, यह उसके वर्तमान शैक्षिक व्यवहार और भविष्य की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

अध्ययन के उदाहरणात्मक परिणामों में अधिकांश विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा मध्यम स्तर की दिखाई गई है। कुछ विद्यार्थियों में उच्च स्तर की शैक्षिक आकांक्षा तथा कुछ में निम्न स्तर की आकांक्षा पाई गई। इससे यह आवश्यकता स्पष्ट होती है कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं एवं रुचियों के अनुरूप guidance और counselling की व्यवस्था होनी चाहिए।

T. Pradeep Kumar की Educational Aspiration Inventory माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा को मापने के लिए प्रयुक्त एक संरचित उपकरण है। उपलब्ध स्रोतों के अनुसार इसमें 20 items हैं और इसके test-retest reliability coefficient को 0.96 बताया गया है।

14. शैक्षिक सुझाव-

1. प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय में career guidance एवं counselling की व्यवस्था होनी चाहिए।
2. विद्यार्थियों को विभिन्न उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों की जानकारी दी जानी चाहिए।
3. शिक्षकों को विद्यार्थियों की रुचि एवं क्षमता के आधार पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन देना चाहिए।
4. अभिभावकों को बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचि एवं क्षमता को समझना चाहिए।
5. निम्न शैक्षिक आकांक्षा वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष motivational programmes आयोजित किए जाने चाहिए।
6. आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं सरकारी शैक्षिक योजनाओं की जानकारी दी जानी चाहिए।
7. विद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों के सफल व्यक्तियों के व्याख्यान एवं career awareness programmes आयोजित किए जा सकते हैं।
8. विद्यार्थियों को छोटे-छोटे शैक्षिक लक्ष्य निर्धारित करके उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची —

- कुमार, टी. पी कॉरपोरेशन. (2012) शैक्षिक आकांक्षा सूची, नेशनल साइकोलॉजिकल ।
- सोधी, टी. एस. (2017) माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक आकांक्षा और शैक्षिक उपलब्धि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च, 2(11), 24–29।
- हूडा, एम., एवं देवी, आर. (2018) माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक आकांक्षा का अन्वेषणात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग, आईटी एंड सोशल साइंसेज, 8(9), 147–150।
- मंगल, एस. के. (2019) उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान, पीएचआई लर्निंग।
- वशिष्ठ, के. सी. (2021) चयनित चरों के संदर्भ में माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा। इंटरनेशनल जर्नल फॉर इनोवेटिव रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड, 7(3), 45–49।
- यादव, आर., एवं सिंह, पी. (2022) माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक आकांक्षा और व्यावसायिक आकांक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च, 7(11), 25–30।
- नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन. (2024) मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की सूची, नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन।
- Google Scholar, Shodh Ganga, ERIC, INFLIBNET।

Disclaimer/Publisher's Note: The views, findings, and opinions expressed in this publication are solely those of the author(s). The publisher and editorial team are not responsible for any errors, claims, or consequences arising from the use of the published content.